

सांकेतिक खबरें

अज्ञात चोरों ने एक घर को बनाया
निशाना, नगदी सहित जैवरात पर
किया हाथ साफ



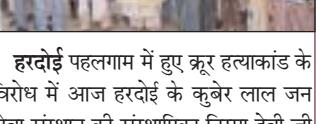
बेनीगंज/हरदोई- अज्ञात चोरों ने 24 अप्रैल को एक गांव में एक घर को किया दारगेट, नगदी सहित जैवरात पर किया हाथ साफ। सुचना पार क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंचकर आसापास के लोगों से जानकारी कर छानबीन खुल कर दी है। बता दें कोतवाली क्षेत्र के उत्तर निवासी महिला नीलम पत्ती गगाधर तिवारी ने कोतवाली में शिकायत की है क्षेत्र में 24 अप्रैल को मैं लखनऊ दर्वाजे के लिए गई थी वहां लड़के बहु के पास रात में रुके थे। जब आपने दिन घर बापस आए तो देखा कि गैलरी का मैट गेट अंदर से बंद था मुझे साक्षा तो नेप पर मैं कमरे के गेट से हाँक घर के अंदर गई देखा कि मेरे दोनों कमरों के गेट खुले पड़ थे कमरों में रखा सामान जैवरात, नगदी 4000 रुपए, पीतल, बेका के बर्तन मौके पर मौजूद नहीं थे। मैं असाधारण लोगों से काफी जानकारी जुटाई लेकिन अपाए तक चोरी वारदात को अंजाम देने वालों के बारे में जानकारी नहीं है। इनकी हाँपीड़ित महिला ने पुलिस प्रशासन से न्याय की मांग की है। उत्तरांत विषय पर कोतवाली प्रधारी कृष्ण बली सिंह ने बताया मामले की सूचना प्राप्त हुई है जब जंच की जा रही है विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात चोरों ने पंचायत भवन को किया टारगेट



बेनीगंज/हरदोई- बेनीगंज थाना क्षेत्र के बवधारपुर पंचायत भवन में बीती रात कार्यालय का ताला तोड़कर भीर रखा बैठा क इन्वर्टर चोरी हो गया। सुबह सकाही कर्मचारी सफाई करने आया ताला टूट देख ग्राम प्रधान को घटना की जानकारी दी। प्रधान द्वारा खबर 112 पर सूचना दी गई। जिस पर पहुंचकर पुलिस मौके पर पहुंचकर छान-बीन की कोतवाली प्रधारी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आसपास के लोगों से पूछताछ कर निधिक कार्रवाई करने का आशवासन दिया है।

पहलगाम कांड के मृतकों के लिए किया कैडिल मार्च और श्रद्धांजलि सभा



हरदोई पहलगाम में हुए क्रूर हत्याकांड के विरोध में आज हरदोई के कुबेर लाल जन सेवा संस्थान के संस्थानिका निरमा देवी जी द्वारा एक शारीरिकैर्डिन मार्च निकाला गया। यह मार्च मृतकों को श्रद्धांजलि देने वाली रात कार्यालय को लेकर आयोजित किया गया। केंद्रल मार्च के समापन पर शहीद उद्यान में एक श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की गई, जिसमें मृत आत्माओं की शक्ति हेतु मौन रखा गया। इस कैडिल मार्च में संस्थापित निरमा देवी, डॉ चित्रा मिश्र, रेशमा लता गुप्ता, कमला गुप्ता, रेखा गुप्ता, मीनू गुप्ता, चेतना महेश्वरी, रीना गुप्ता, मीनू गुप्ता, चित्तीनी पांडे, संजू श्रीवास्तव, सुधा गुप्ता, गीता गुप्ता, नेहा, रेखा गुप्ता, प्राप्ति गुप्ता नितिन, सुमित्र श्रीवास्तव शेरू, अमित, अवधेश, सुमाष गुप्ता, अदि सदस्य उत्सवित हो। आयोजन के माध्यम से संस्थान ने एक जुट होकर न केवल मृतकों के श्रद्धांजलि दी, बल्कि स्वरकर से इस कृत्य अपराध जो आतंकियों द्वारा किया गया उनके लिए कड़ी से कड़ी से कड़ी से जासू जाए और सख्त कार्यवाही की मांग की।

थाना दिवस में फटियादियों की शिकायतों का हुआ मौके पर निराकार, पुलिस-

प्रशासन की रही संयुक्त मौजूदगी

चित्रकूट। जिसे में शनिवार को अपर

पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी की

अधिकारी में थाना दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन कोतवाली की वथाना बहिरुत्तरामें किया गया, जिसमें राजस्व वा

पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों की भौजद्वारा

में जनसुनवाई हुई। कोतवाली की वथाना दिवस में नायब तहसीलदार मंगल गांव धी

मौजूद हो। इस दौरान भारी संख्या में फटियादि

ने शुन गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करने को आवश्यकता

में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने

शिकायत करन

नफरत की बुनियाद पर खड़ा पाकिस्तान

1947 में जब मजहब की बुनियाद पर भारत का बट्टवारा हुआ तो इसके पीछे मुस्लिम लीग के नेता मुहम्मद अली जिन्ना की नामुराद सोच थी कि हिन्दू व मुस्लिम दो अलग-अलग कौमें हैं जो आपस में मिल कर कभी नहीं रह सकती। दूसरी तरफ कांग्रेस व जमीयत उलेमाएं हिन्दू (देवबन्दी) के नेता थे जो कह रहे थे कि पूरे भारत में रहने वाले सभी हिन्दू-मुस्लिम एक कौमियत के हैं जिनमें भारत की धरती साझी है। उस समय अंग्रेजों को लग रहा बुलावाया गया। इकबाल ने तब पहली बार मांग की कि भारत के पश्चिम इलाके के सूबों में मुस्लिम सरकारें स्थापित करने की मंजूरी अंग्रेज सरकार दे। यह मुसलमानों के लिए प्रथक राज्य स्थापित करने की मांग थी जो कि ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर ही थी। इसका खुलासा खुद इकबाल ने ही अंग्रेज सरकार को एक खत लिख कर किया था। इससे पहले जब चौथरी रहमत अली ने मुसलमानों के लिए अलग से मुल्क पाकिस्तान की मांग की थी तो



था कि यदि वे जिन्ना की बात मान लेंगे तो भविष्य में पाकिस्तान का उपयोग पूरे पश्चिम एशिया में और सेवियत संघ को काबू में रखने के लिए कर सकेंगे। हालांकि उस समय अंग्रेज सेना के कर्मांडरों की राय भी इस मुदे पर बंटी हुई थी। इसके प्रमाण तत्कालीन समय के बारे में लिखी गई कई पुस्तकों में मिलते हैं जिनमें पाकिस्तानी मूल के स्वीडन में बसें राजनीतिक विज्ञानी प्रोफेसर इश्टियाक अहमद की जिन्ना के बारे में लिखी पुस्तक सबसे प्रमुख है। यह पूरी तरह सत्य व प्रमाणित है कि 1920 तक मुहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस पार्टी में थे जो स्वराज या सेल्फ रूल की बात करते थे। परन्तु इस दौरान 1916 में दक्षिण आफ्रीका से लौटे महात्मा गांधी ने कांग्रेस को केवल अंग्रेजों के समक्ष याचिकाएं रखने वाली पार्टी से जनता के साथ जुड़ने वाली पार्टी बनाने का बीड़ा उठाया था। जिससे जिन्ना इतेकाक नहीं रखते थे। वह नेताओं के काम में जनता को शामिल किये जाने के सछत विरोध में थे। यही वजह रही कि आजादी के पूरे आनंदोलन के दौरान मुस्लिम लीग का कोई अदना सा नेता भी कभी एक घटे के लिए जेल नहीं गया और पाकिस्तान बन गया। जिन्ना के पास उस समय मुस्लिम लीग व कांग्रेस दोनों की सदस्यता थी। जिन्ना उस समय तक हिन्दू-मुस्लिम एकता के अलम्बनदार समझे जाते थे। मगर गांधी जी के कांग्रेस की कमान लेने से वह घबरा गये थे

क्याक गाधा जा का रणनीत स्वतन्त्रता आन्दोलन को जन मूलक बनाने की थी। जिन्ना से जब कांग्रेस के एक समझेलन में अंग्रेजी के बजाय गुजराती या उर्दू हिन्दी में बोलने के लिए कहा गया तो उन्हें बहुत नागरिक गुजरा। यह कार्य गांधी जी की मच पर मौजूदी में ही हुआ। इसके बाद जिन्ना ने कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और वह मुस्लिम लीग का दामन पकड़े रहे। परन्तु 1930 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में जब मुस्लिम लीग का अधिवेशन हुआ तो इसकी सदारत प्रछात शाहर अल्लामा इकबाल ने की। उस समय मुस्लिम लीग की हालत यह थी कि इसके इजलास का नियमाचार (कोरोम) पूरा करने के लिए भी पर्याप्त मुसलमान नागरिक नहीं थे। तब इलाहाबाद के बाजारों से छांट- छांट कर मुस्लिम दुकानदारों को इस इजलास में जरूरनीत पर उत्तर आय था। उनका पाठ पर अंग्रेज सरकार का वरदहस्त था। इसके बाद द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हो गया तो जिन्ना ने मुसलमानों से अंग्रेजों की भारतीय फौज में शामिल होने के लिए कहा और अंग्रेजों को आशवासन दिया कि वह उनके साथ खड़े रहेंगे। जबकि कांग्रेस ने यह मांग की कि पहले अंग्रेज आशवासन दें कि युद्ध के चलते वे भारत को खुद मुख्तार मुल्क घोषित करें या आजादी दे देंगे। गांधी जी समेत कांग्रेसी नेताओं का मत था कि एक परतन्त्र देश की जनता उन पर राज करने वालों के हक में कैसे लड़ सकती है। अतः 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने अंग्रेजों भारत छोड़े। अन्दोलन शुरू कर दिया। अंग्रेजों ने पूरे देश से चुन-चुन कर कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। यह समय ऐसा था जब खुले मंचों पर राजनीति

पूरा मारत म

आतंकवादियों द्वारा कहर छाही जाने के बाद भारत की मोदी सरकार ने जो कूटनीतिक अस्त्र चला है उसे पूरे देश का समर्थन प्राप्त है और भारत के लोग चाहते हैं कि ऐसे बर्बाद व नृशंस हत्याकांड को अंजाम देने वालों के विरुद्ध सैनिक मोर्चे पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। मगर मोदी सरकार ने जिस तरह कूटनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान के साथ 1960 में हुई सिन्धु नदी जल बनावारे के समझौते को मुल्लवी किया है उससे सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का पता चलता है। मोदी सरकार ने सीधे पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर कदम उठाकर सिद्ध कर दिया है कि यह 2008 न होकर 2025 हैं और सरकार पाक आतंकवादियों के काले चिट्ठे खोलने के बजाय सीधे कार्रवाई में यकीन रखती है। सिन्धु जल समझौता 1960 में हुआ था जिसे

तब से लेकर अब तक पहली बार मूलतवी किया गया है। हालांकि इस दौरान भारत पाक से चार युद्ध लड़ चुका है। इनमें पहला युद्ध कश्मीर के मध्ये पर ही आजादी मिलने के तरन्नु तौर पर लगती है। अतः हर भारतवासी का कर्तव्य है कि वह धर्म की बुनियाद पर आपस में अपने भाईचारे को न बिगड़ने दें क्योंकि पाकिस्तान 1989 के बाद से भारत को हजार

बाद 1947-48 में लड़ा गया था। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि विगत 22 अप्रैल को पहलगाम में जिस तरह आतंकवादियों ने निरीह पर्यटकों की हत्या की वह एक सोची-समझी साजिश थी। ऐसे संजीदा मसले पर भारत की आतंकिक राजनीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह कार्य पाक की सीमा पार से आये आतंकवादियों द्वारा किया गया है। समय की मांग है कि भारत की सभी विपक्षी पार्टियां सरकार के साथ एक जुट्टा दिखाते हुए उसे जवाबी कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करें और उसके साथ खड़े नजर आयें। मोदी सरकार ने पाकिस्तान के साथ अपने कूटनीतिक सम्बन्धों को पूरी तरह नहीं तोड़ा है मगर पाकिस्तान 1949 के बाद से भारत का हमेशा जख्म देने की नीति पर चल रहा है। इस नाजायज मुल्क के हुक्मरान चाहते हैं कि भारत भीतर से कमज़ोर हो जाये क्योंकि सेनिक मोर्चे पर वह भारत की जांबाज सेना का मुकाबला नहीं कर सकता। इस सिलसिले में पाक के फौजी जनरल मुनीर का विगत 16 अप्रैल का वह वक्तव्य ध्यान देने वाला है जिसमें उसने कहा था कि हिन्दू व मुस्लिम ऐसी दो कौमें हैं जिनमें आपस में कुछ भी साझा नहीं है। दरअसल यह भारत के बांटवारे से पहले मुस्लिम लीग का ही बयानिया है जिसमें यह कहा जाता था कि भारत में रहने वाले मुसलमानों की कौमियत अलग है। हिन्दुओं से न तो उनके रीति-रिवाज मिलते हैं और न ही खान-पान से लेकर राष्ट्र नायक। मुहम्मद अली

नमास हो गई थी। इसका फायदा जिन्ना ने उत्तरायण और अंग्रेजों से आश्वासन चाहा कि युद्ध समाप्त होने पर अंग्रेज पाकिस्तान का निर्माण कर देंगे। इस बारे में अंग्रेजों ने कोई आश्वासन नहीं दिया मगर इंकार भी नहीं किया। इस प्रकार जिन्ना ने कांग्रेस द्वारा खाली पाई गई राजनीतिक जगह को भरा और पूरे देश में पाकिस्तान निर्माण की मुहम को हवा दी। द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों के सारे खजाने खाली हो गये और हड्ड यह हो गई कि उनकी जौज को तनखावें भी अमेरिका के वित्तीय विवरण से मिलें। अमेरिका दबाव डालने लगा के अंग्रेज भारत से बाहर जायें। इस दबाव के अपेक्षित अंग्रेजों की आर्थिक दुखली हालत थी। अपना अंग्रेजों की योजना थी कि वे 1973 तक भारत में ही बने होंगे। इन परिस्थितियों से जिन्ना ने जमकर फायदा उठाया और पाकिस्तान की मांग को सबसे ऊपर रखा। इस तरीके से पाकिस्तान मुस्लिम लीग ने मुस्लिम बहुल राज्यों के समेत सारे देश में मुसलमानों को भड़काना चाहा गया किया और प्रचार किया कि हिन्दू व मुसलमानों में कुछ भी सांझा नहीं है। उनका वर्यम अलग है और संस्कृति अलग है जिन्हें हिन्दू अपना नायक मानते हैं वे मुसलमानों के लिए खलनायक हैं। मुस्लिम तौर - तरीके हेन्दुओं से कहीं मेल नहीं खाते। परन्तु त्रासदी बढ़ रही है कि इस काम में अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय के छात्रों व शिक्षकों ने जिन्ना का वापस दिया। तभी 1945 में अंग्रेजों ने प्रान्तीय स्थानों पर कुछ चुनाव कराने का निर्णय लिया और जिन्ना की पार्टी मुस्लिम लीग ने गारा लगाया

पाकिस्तान का मतलब क्या
ला इलाही इल इलिलहा

पंजाब और बंगाल में तो मुस्लिम लीग ने उद पार कर दी और मुसलमानों से अपील की कि वे लीग को ही बोट दें। उनका लीग को दिया गया बोट संघर्ष रसूल-अल्लाह को दिया गया था। लीग ने बोट माना जायेगा और जो कहीं और बोट न दिये गए उसका नामाजे-जनाजा भी नहीं पढ़ा जायेगा। उनका निकेहनामा भी नहीं पढ़ा जायेगा। वह दीन से अलग समझा जायेगा। उसका परिणाम यह हुआ कि पंजाब में मुस्लिम लीग की सीटों में गुणात्मक वृद्धि हुई जिनकी संख्या 75 थी। वह विधानसभा में सबसे बड़ी लाशा पर तामार हुआ मुल्क है। हिन्दुओं ने नफरत को पाकिस्तानी हुवमरान हर हालत जारी रखना चाहते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जिस दिन यह धूण समाप्त हो जायेगी उस दिन उनका बजूद भी मिट जायेगा क्योंकि भारत इतनी ताकत है कि वह पाकिस्तान को नेस्तनाबूद कर सके। हकीकत तो यह है कि जिन्ना के हिन्दू-मुस्लिम देशों के विरास व 1971 में खुद उसके ही हिस्से पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने कब्र में गाड़ दिया था और खुद व बंगलादेश कहा था। मगर अफसोस पाकिस्तान का यह इतिहास पाकिस्तानियों को ही न पढ़ाया जाता।

संपादकीय

आतंक के विरुद्ध एकता का शंखनाद, श्रीनगर से उठती उम्मीद की लौ

क-भा-क-भा एक घटना कवल घटना
नहीं होती वह एक राष्ट्र के हृदय में धंसी
पीड़ा होती है, जो शब्दों से परे जाकर
आत्मा को झकझोर देती है। पहलगाम में
हुआ यह आतंकी हमला महज एक हादसा
नहीं था, यह भारत की सहिष्णुता, उसकी
अखंडता और उसकी एकता पर एक
कायराना घोट थी। यह एक ऐसे समय में
हुआ, जब देश अपने भीतर के संघर्षों
और वैश्विक चुनौतियों से दो-चार हो गहा
है और इसी उथल-पुथल के बीच एक
बार फिर आतंक ने अपनी जहरीली साँसें
फैलाई, कुछ मासूमों की जान ली, और
पूरे देश को रुला दिया। लेकिन हर
अधिकार के बीच कहीं न कहीं आशा की
एक लौ भी जलती है और इस बार वह लौ
श्रीनगर में दिखाई दी। राहुल गांधी जब
पहलगाम हमले के पीड़ितों से मिलने
पहुंचे, तो वह केवल नेता नहीं थे — वह
एक संवेदनशील भारतीय थे, जो
सियासत से परे जाकर उन चेहरों की



का आस्ता म जा गहराइ ह, वह इन तमाम विभाजनों से ऊपर उठती रही है। हमने सदियों तक आक्रान्ताओं को देखा, लेकिन हमने हार नहीं मानी; हमने अनेक युद्ध देखे, लेकिन टूटे नहीं हमने विभाजन भी झेला, लेकिन पिर भी एक जुट रहना सीखा। यह बत्त फिर से उसी एक जुटता की मँग करता है। जब ग़लत गांधी ने यह देशा म बढ़ रहा ह जहा सत्ता का नहा, सेवा की बात होगी। वह यह दर्शाते हैं कि देश को जोड़ना सिर्फ भाषणों से नहीं होता, जमीन पर उत्तर कर अंसुओं में सहभागी बनने से होता है। आज भारत के हर कोने से एक आवाज उठनी चाहिए। वह आवाज जो बताये कि हम डेर नहीं हैं, हम दूक नहीं हैं, और हम कभी हार मानने

का भाग करता है। जब रहुल नाया मन धर
कहा कि सरकार के साथ विपक्ष भी इस
लड़ाई में पूरी तरह साथ है, तब उन्होंने यह
नहीं कहा कि हम बहस करेंगे। उन्होंने
कहा कि हम साथ चलेंगे। यह साथ वही
शक्ति है जो एक लोकतंत्र की सबसे बड़ी
पूँजी होती है। राजनीति में मतभेद होना
स्वाभाविक है, लेकिन जब देश की
अखंडता पर आधार होता है, तब हर
मतभेद बौना हो जाता है और केवल एक
चीज बचती है राष्ट्रद्विति। यह भी उतना ही
जरूरी है कि हम अपने भीतर झाँकें और
देखें कि कहीं हम भी तो आतंक के एजेंट
को अनजाने में पूरा नहीं कर रहे? जब
कश्मीरियों पर हमला होता है, जब शक
की निगाह से कोई मुसलमान देखा जाता
है, जब उत्तर या दक्षिण, पूरब या पश्चिम
के नागरिकों को अन्य कहा जाता है तब
आतंकवाद हँसता है, क्योंकि वह जानता है
कि उसके बिना गोली चलाए ही हम खुद
अपने ही देशवासियों से लड़ने लगते हैं।
और इसी जहर को रोकना हमारी सबसे
बड़ी जवाबदेही है। जो लोग कश्मीरियों
पर हमला कर रहे हैं, वे भी उसी कट्टरता
की भाषा बोल रहे हैं जिसे हम हराना
चाहते हैं। राहुल गांधी की मुख्यमंत्री और
उपराज्यपाल से मुलाकात, उनकी शांति
की अपील, उनका समर्थन यह सब एक
संदेश है कि भारत की राजनीति अब इस

रात एक बार फिर युद्ध के मुहाने

पर हा। ये युद्ध किसी सामाजिकवाद का वजह से नहीं बल्कि उस आतंकवाद के खिलाफ होने की अटकलें हैं जो पाकिस्तान से बाबस्ता है। कश्मीर घाटी के पहलगाम में 26 लोगों की दिन-दहाड़े नृशंस हत्या की वारदात ने भारत को जबरन युद्धोन्मुख किया है।





आहे शात, जिन्दगा हमका व्यार हमें चाहिए शांति, सृजन कि है तैयारी हमने छेड़ी जंग भूख स आगे आकर हाथ बँटाए दूनियां सारी। हरी - भरी धरती को खुनी रंग न लेने देने। जंग न होने देंगे भारत - पाकिस्तान पडोसी, साथ - साथ रहना है, घ्यार करे या बार करे, दोनों को हि सहना है, तीन बार लड़ चुके लड़ाई, कितने महांग सौंदा, रुसी बम हो या अमरीकी, खून एक बहना है। जो हम पर गुजरी बच्चों के संग न होने देंगे। जंग न होने देंगे। अटल जी को इसके बाबूजूद जंग का समाना करना पड़ा। उनके शांति प्रयासों को तत्कालीन पाकिस्तानी प्रशासन ने धता बता दिया था। अटल जी के प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में पाकिस्तान से जंग हुई और जीती भी गयी। अटल जी से पहले प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, श्रीमती इंदिरा गांधी और पंडित अटल बिहारी बाजपेयी ने भी जंग लड़ी। जंग में पाकिस्तान टूटा और बांगलादेश बना। 'जंग में हार-जीत होती रहती है किन्तु देश विकास की दौड़ में पिछड़ जाता है। दरअसल जंग किसी भी लोकतान्त्रिक सरकार का हथियार नहीं होती। जंग तानाशाही प्रवृत्ति के नेतृत्व का अमोध अस्त्र होता है। मोदी सरकार की नाकामियों और पाकिस्तान की हठधर्मी भावी जंग की आधारशिला हैं। जंग के मामले में हम संघ और भाजपा के प्रबल विरोधी होते हुए कविवर पंडित अटल बिहारिके प्रशंसक हैं। अटल जी कवि थे या नहीं ये अलग बात है किन्तु वे बेहतरीन तुकबद थे और उनका मन कविमन था। लेकिन जब सर पर आगयी तो उनकी सरकार ने भी युद्ध सुधारन के लिए काशिश का था, लेकिन उनकी कोशिशें परवान नहीं चढ़ सकीं। वे अटल जी जैसे कवि हृदय नेता नहीं हैं। उनकी भाषा और कार्य पद्धति अटल जी से भिन्न है। अब उनके सामने भी कोई विकल्प नहीं है जंग का। यदि उन्होंने जंग न लड़ी तो वे राजनीतिक जंग हार जायेंगे। क्योंकि उन्होंने मुसलमानों के खिलाफ देश में ही नहीं बल्कि, दुनिया में भी एक अद्योतित धूकीकरण करने की कोशिश की है। कोई माने या न माने किन्तु इस समय देश में सरकार के तमाम फैसलों की वजह से मुस्लिम विरोधी वातावरण है। इस वातावरण को तैयार करने में भाजपा और सत्ता प्रतिष्ठान ने बहुत मेहनत की है। इससे देश की समरसता यानि धर्मनिरपेक्षता खतरे में है लेकिन सरकार को इसकी कोई परवान नहीं है। सरकार की इसी लापरवाही का नरीजा है कि देश में पुलवामा के बाद पहलगाम हो गया। खैर जो हुआ सो हुआ। अब आगे भी जो हो वो ठीक ही हो। इस समय मोदी जी की किस्मत है कि आतंकवाद के खिलाफ फँहें विश्व व्यापी समर्थन मिल रहा है। अटल जी के साथ ऐसा नहीं था। जंग कि लिए पहले देश को तैयार किया जाये फिर फौज को। फौज तो हमेशा तैयार रहती ही है, लेकिन जनता नहीं। जंग के दौरान देश में सब एकजुट हों, कोई फिरकापस्ती न हो, कोई अनबन न हो। कोई हिन्दू-मुसलमान न हो। कालाबाजारी न हो। अच्छी बात ये है की पहलगाम हत्याकांड के बाद देश का मुसलमान भी आतंकवाद के खिलाफ सङ्कों पर हैं।

राकेश अचल

सांकेतिक खबरें

महाविद्यालय में स्टार्टफोन वितरण,
विद्यार्थियों में रुपा उत्साह

प्रतापगढ़ में सपा नेता के होटल में युवती की हत्या; रिटायर्ड दारोगा के बेटे पर आरोप

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। प्रतापगढ़ शहर के भगवा चूंची इनके में सपा नेता के होटल में एक युवती की दुष्टे से गल कसकर हत्या कर दी गई है। मर्द के बाद युवती का प्रेमी फरार है। घटना के बाद होटल में हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शब को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। होटल के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए हैं। इस मामले में एक रिटायर्ड दारोगा के बेटे को शब पुलिस कर होते हैं। बताया जा रहा है कि कमरा सिर्फ 2 घंटे के लिए बुक किया गया था और इसी बीच हत्या करके युवक फरार हो गया। मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, नगर कोतवाली के भगवा चूंची स्थित सपा नेता अश्वनी सेनी के होटल स्टार प्राइम रेजिञ्चन में शुक्रवार शाम करीब 9-10 बजे कोहड़ी थाना क्षेत्र के बासपुर गांव की रहने वाली रिटू पाल (20) पुरी सूर्योपल अपने प्रेमी के साथ पहुंची। होटल का कमरा नंबर 204 सिर्फ 2 घंटे के लिए बुक किया गया। अश्वनी को हैं दोनों के बीच किसी काटा के लोकर विवाद हुआ। युवती के प्रेमी ने दुष्टे से ही उत्तर गल कसकर हत्या कर दी। वह भौंके से फरार हो गया।

अरोपी ने 2 घंटे के लिए कमरा बुक किया था। दोनों के बीच करीब 2 साल से प्रेम संबंध चल रहा था। पुलिस को जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

एसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान कर दी गई है। इसकी गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की गई हैं। उनकी तलाश में अनेक जगह छापरायी की जा रही है। वहाँ को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर अगे कार्रवाई की हत्या का शक है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व्यापार बन्ध की बैठक का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

ओर उन्नाव से प्रयागराज तक 157 किमी के तीन समूहों का निर्माण कर रहा है, जिसे आठ तेज तक बढ़ाया जा सकता है। डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और इस्तरातरण (डीवीएफ-ओटी) के आधार पर लागू होने वाला यह भारत का सबसे लंबा एसप्रेसवे है।

इसकी रियायत की अवधि 30 वर्ष होगी। देश के सबसे लंबे गांव एसप्रेसवे के निर्माण का यह टास्क, देश के लिए डिजिटल और स्मार्ट रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापारियों ने विद्युत रूप दे रहा है। गांव एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

गांग एसप्रेसवे के निर्माण में उन्नत मरीजों और तकनीकी से लैस कुशल तकनीशियों से दश ईंजीनियरों की लगातार काम हो रहा है। बदायूँ से धरहरै तक 151.7 किमी, हरदोई से उन्नाव तक 155.7 किमी

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गांव में धूंधे वाले ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

गांग एसप्रेसवे के निर्माण में उन्नत मरीजों और तकनीकी से लैस कुशल तकनीशियों से दश ईंजीनियरों की लगातार काम हो रहा है। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 151.7 किमी, हरदोई से उन्नाव तक 155.7 किमी

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर हांवुंची इलाका ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गांव में धूंधे वाले ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गांव में धूंधे वाले ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गांव में धूंधे वाले ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गांव में धूंधे वाले ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन युवती के एक को मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गांव में धूंधे वाले ने धार्यालों को अस्ताल भिजवाया और मृतक युवक के शब को कट्टे में लेकर लिखायी कर आली कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार यमुनानार के करछना थाना क्षेत्र के करछना पावर हाउस से महज 100 मीटर आगे शनिवार अलाउद्दीन में एक मैंजिक वाहन ट्रक में पैंथे से जा सुसूनी। घटना उस समय हुई जब दोनों युवती के बीच भेंजे रहे। अडानी समूह बदायूँ से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। गांग एसप्रेसवे के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए रिवरार को मुख्यमंत्री योगी अदियानाथ हररोड़ और शहजाहानपुर में निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे।

करछना। प्रयागराज। करछना पावर हाउस के समीप ट्रक में पैंथे से मैंजिक वाहन धुस गई। जिससे मैंजिक वाहन में सवार तीन यु

सांकेतिक खबरें

प्रधानाध्यापक समय से कार्य पूर्ण करें - बीईओ



बेंडंतजामी: सीवर लाइन के कार्य के दौरान दो की मौत

● कार्यस्थल पर सुरक्षा इंतजाम गिले शून्य

जिमेनेदार सरकारी विभाग की ओर से कोई अधिकारी कर्मचारी साइट पर नहीं था

स्वतंत्र प्रभात



मृतक मजदूर और ट्रेकेटर के भाई का फाइल फोटो।



हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिस एवं अन्य लोग।

बृद्धार्थनगर। बेंडंतजामी ने दो लोगों की जान ले ली। रात भर काम और बिना सुधार इंतजाम हादसा होने की संभावना थी लेकिन इसे जिमेनेदार नजर अंदर करते चले गये। हादसे के बाद भी किसी की जिमेनेदार तरीफ हो गई। इस बात की संभावना बेहद कम है। परिक्रमा मार्म श्याम कुटी के समीप सीकर लाइन डालने के दौरान मिश्यी की छाव खिलकर से दो लोगों की दर्दनाम मौत हो गई। छाव खिलकर से दोनों मिश्यी के अंदर दब गये। जब तक उन्हें बाहर निकाला जा सकता तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने भौत की बजाए मुहूं और नांक में मिश्यी भर जाना बताया है। यह दुखद घटना शुक्रवार की राति करीब 11.30 बजे की है। मिश्यी से निकालने के बाद दोनों को तत्काल सो सैंप्रा अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों से उन्हें यूट थोकित करिया दिया। इस घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है।

मेरे विचार और राष्ट्रीय अपील (अधिकारी, सिविल कोर्ट, जौनपुर)

स्वतंत्र प्रभात



उदाहरणात्मक सज्जा मिले।

साथ ही, मेरा अनुरोध हर जागरूक नागरिक से है - अपने माहल्ले, गांव, कब्जे और शहर में चौकना रहें। हर समदिग्द गतिविधि पर नजर रखें और तत्काल प्रशासन को सिविल करें। यद रखें, "एक जागरूक नागरिक सौ सैनिकों के बरकार है।" देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मैं कहना चाहता हूँ कि उनकी शहादत हमें चेताती है कि हम अपनी स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा के लिए हर सर पर संघर्ष करें। यह समय भयभीत होने का नहीं, एक जुट होकर आपों बढ़ने का है।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें- ऐसे मानवों में न्याय प्रणाली तेज, निष्पक्ष और कठोर हो- तकि अंतक का जीव बोने वाले हर मनुष्य को लक्षित और

परिश्रम साथ तक लड़ते रहें।

पीड़ित पत्रकार के मामले में पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल ने भरी हुंकार

● सिंचाई डाक बंगले ने बैठक कर बनाई गई रणनीति
संगठन ने पीड़ित पत्रकार के पक्ष में उत्तरां आवाज

स्वतंत्र प्रभात



गोण्डा। महिला पत्रकार रुबी अवस्थी के साथ घटना का मामला दिन बदला ही जा रहा है। पुलिस की लाचर कार्यशैली से असंतुष्ट महिला पत्रकार ने कई बार उच्चाधिकारियों से गुहार लगाती रही। लेकिन मामले को लेकर देहान तुलिस के विषयों से ही सांठांड करती रही। इन सभी चीजों को देखते हुए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन गोण्डा के तत्वावादीन में पत्रकारों का समूह एक जुट होकर शनिवार को शहर के चौराज बंगले में बैठक कर पत्रकर पर हुए इस तरह के कृत्यों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक मांग पत्र सिटी जिस्टरेट को सौंधा।

शनिवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल उच्चाधिकारी ने निरेंद्र देव, जिला प्रधारी ए और उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों के निर्णय के निरूपण में चौराज के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्माणधीन परियोजनाओं को करे पूर्ण- डीएम

● समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्माणधीन परियोजनाओं को करे पूर्ण- डीएम

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा। निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादों को सौंधा।

उत्तरां ने निरेंद्र के विषयों के विवादो

